

सोरा ... कसु ... वि ...

दि ...

य ...

म ...

का ...

...

...

...

वेधनाय हं हं हं रुट स्वाहा ॥ धावना वासि सिय क मंत्र ॥
गुरुजाग्या के न क न द स्वाहा स्वाहा क पूय ॥ ॥ नमो गुरु
जाग्या द वी द वजाग्या हं जी के व क्ष मि स व द वा ख नि दि ने
दिन रुट रुट स्वाहा ॥ धावना गुरु द का या ॥ गुरु द का या द व द का या
आ द य मंत्र ॥ व द य प नि क न य जा या य माल ॥ ॥ उं का स व स्वा
हा ॥ धावना ग न आ न सा रू य म माल ॥ ॥ इ हि रुट रुट स्वाहा
मि स्वा स रू नि पू य मंत्र ॥ ॥ इ का स ह शा ना नि वा नि ॥ धे १
ध १ १ २ व द का या आ न क ॥ इ हि रुट रुट स्वाहा

वादिना साह कि नि रुट रुट स्वाहा ॥ धावना रू का क रु य व वा आ ॥
ध का नि हो न ना न मंत्र ॥ ॥ सि धि गुरु जाग्या हं रुट रुट स्वाहा
हं रुट रुट स्वाहा ॥ धावना ॥ व स या न था ॥ धु र वा स न ला आ मंत्र या दा
ग था स या न रु या रु य म माल ॥ ॥ सि धि गुरु जाग्या ॥ धावना ॥ ध
मंत्र सा वि दू नि स म ह या दा आ नि य क आ व ॥ ॥ उं जीं दिं स्वाहा
म न वा थ सि क रा पू य के ॥ ॥ उं ला म्वा स्वाहा स्वाहा सि स्वाहा

द्वांसिधिगूत्रजाग्या॥ धम १०० मरुयादनतयत्ररुद्रयाडा
 नानककाहडायेडा॥ ॥ उंग्रावद्रादवयुविसत्तननारुद्र
 सयमूनउनयकि किआग्या॥ श्रावद्रदवाकीजाग्या॥ धम ३॥
 मंग्रन॥ थडागाहकि सत्तानय्याडा॥ मिसदययूमदहन
 थमंग्रयनकडा॥ अगि मंग्रइने॥ ॥ उं ह ति नि सा॥ धम १००
 थमंग्र॥ वात्र॥ कयू॥ श्राखंद॥ काकु॥ समंगगयाडा॥ थडा

उं न सयुनाडा मसायाकिसा डासनसुकिनक॥ मीसावस्य
 इन॥ थमंग्रयनक॥ ॥ उं नि धूनडा॥ धा २०॥ मियिकमंग्र
 इन॥ ॥ उं न मंग्रगूत्राडा॥ ॥ उं न मंग्रगूत्राडा॥ ॥ उं न मंग्रगूत्राडा॥
 मिसावाचुजानितसुमि रुतालयकसुजुसमायानदल विमिसावल
 डायाडा॥ मीनवासादिडा॥ ॥ १ ॥ रकाकनज्वलजुविनसुग्राख
 दुसमार्गज्वयेनयानसुत्रखससनानकशला॥ ॥ २ ॥

मीसावाचुजानितसुमि रुतालयकसुजुसमायानदल विमिसावल
 डायाडा॥ मीनवासादिडा॥ ॥ १ ॥ रकाकनज्वलजुविनसुग्राख
 दुसमार्गज्वयेनयानसुत्रखससनानकशला॥ ॥ २ ॥

१ गुरु क म ल स ॥ यान ह त स ॥ यना ना ला १ गुरु थ स ॥ नि र ता स ॥ ल त्वा ॥
 स ॥ ल जं स ॥ क गुरु स ॥ म त च स ॥ च र स ॥ ५००। मु नि स ॥ ल
 स त स ॥ ह त्रि स ॥ वि य गुरु स ॥ क द स ॥ र ल्या स ॥ यं ना ना १ त्रि न स ॥
 गी ख द स ॥ स न वि स ॥ वि वि स ॥ वि ना मु स ॥ ग त्रि ना ना १ सा र
 क न १ सा व य ना श ला ॥ १ ॥ ना क ल म ना ना १ सा य न र ला १ दु न वि

युक्तं स्यात् १ क्रि सा सा २ ल ला च सा २ म न च सा २ रु डि सै र ना ला १ ऊ य प्र क्त
 दृ ल क ना मु ना १ ज ल गं ध ना ला १ दृ दु म द या द य कं क ना ॥ २ ॥ अ ऊ
 या न व्व १ वि ध दा नु सा ३ का वि ह न ति य, उ थ सी य सा ३ ति ध वि सि य सा ३
 ज व पि न सा यु क ना ॥ ३ ॥ य म र ना नू जा द हा वि न हा, ०० सा मि, ०० मू वि
 य ति वि य मू, उ थ रु डि, न ह वा त्या ध्या ति, सा र ग दि य चि क न य १ ख न

॥ सांख्यसूत्र ॥

॥ मन्त्राद्वयम् ॥

1850

मि सद्यः मि चति कंच कुचसि क म स द्यः चा वृथा कचि संजि आमिसा

मि सद्यः मि चति कंच कुचसि क म स द्यः चा वृथा कचि संजि आमिसा
श या चा आ जला चाल संजि आ जला ॥ ८० ॥ ॥ १ ॥ न अ जि सा व द म
मि मल स ज द द स मरा गदि या आ चाल य द द न अ ल आ गु लि चि य द द स
अ अ ज जि थ स अ अ व न क हिन जा आ चा आ ज ला गु र ॥ ८० ॥ ॥ १ ॥ ग म कि
मि स य ल क व मि कि अ दिय क्रा थि या स या य क्रा सि अ व या चा
अ दिय ज ला ॥ ८० ॥ ॥ १ ॥ ज य मि स्या न दिय हा क सा या चा न या अ या

य निद्र द्र या य स रु अ क ल सां स द्य क ज ला ॥ ८० ॥ ॥ १ ॥ अ ल ख ला

य निद्र द्र या य स रु अ क ल सां स द्य क ज ला ॥ ८० ॥ ॥ १ ॥ अ ल ख ला
गु अ म मि क चि आ ल मि मल च ज व य प्रियं गु य द दिय मि ॥ ८० ॥ ॥ १ ॥
१ अ ल ख ला क चि आ ल ज व य क म ल गु क आ स वा य मि क गु जि लि
यि म उ ति रा ग न या आ क्रा क ल स स न या आ व न क प्र न या ज ला ॥ ८० ॥
१ य क व द या ल अ ग्ग ल दि या आ क्रा क ल स स न या आ व न क अ जि न ना
मि न य क या सा व द्र या क य क सि य दि य सा द द स न स ल स

नविमकं थुतिन, जुकातमृत्कृतिश्रीये ॥ ७॥ अश्विन कृत्वा विधानसमाप
 मघन कृत्वा मेघवासाना कृत्वा श्रावणं प्रिति देवता, शती, श्रुत देवता, तो
 यु, फारवात, दक्षिणयुवेण, सूर्यदेवता, सिद्धनासिथिदेवता, श्रावण वः
 सात, कामरूप, ववतवंकश्य, तंड वंकश्य, साहगोश्य, थमथमथ
 मीरागा, स्वराव, कलातर्फी ४ दयव, काय, शक्र दयव, वालक सङ्खि
 यु, लिथे शूरीश्य, गवर्ध, मूत, नारदयु, स्वराव विनी, धिरववन
 यु, थलमिष्टयु, रंगमरा, श्रुत, श्यु, वंर, थलमश्युव, कृकातम

इयुनयसाक, वादिन, त्वायुव, माम, ववुवकोरु, क, कथासयीति ॥ विद्याल
 गा, कनुनाथुत, जुमानमरुत, कुरुयव, ज्ञातसमु, थुतिस्वराव ॥ ॥ तिर
 भान, गतयतर, यातस, यातीस, थुतिथामसतिरदयु ॥ ॥ फनीवमिष्ट
 वधकं रंखा, शतीत्र, मनि, मृति, स्वासक्रात, तइया, रोगनया, थुति
 निव ॥ ॥ अज्ञातविका, ना, डा, नडल, प्रातु, स्वायु, पाहुइइ, वत्री, थुति
 यव ॥ ॥ प्रागविका, बाहु, वार्कयित, कु, ना, १५, प्रागसाक, १२, वेण
 व, वेणय, ककु, गत्रय, साक, १२, ना, नायावि, अत, प्राय, वर्वे, तीथ

[illegible]

यदि स्या

ॐ कालवन्दे हरे लवाय नमस्वाहा ॥ ॐ ननक नागनाय नमस्वाहा ॥ ॐ शु
पर्वताय स्वाहा ॥ ॐ उदम्बर वृक्षाय स्वाहा ॥ ॐ नीलवागमति नन्दिनाशाय स्वाहा ॥
॥ ॐ धानाब्धस्म स्वाहा ॥ ॐ समकर्म्यामीषु तृमासितिथिस्वाहा ॥ वायुभय
॥ ॐ रुद्र रुद्रमहालक्ष्मीय नमस्वाहा ॥ ॐ चन्द्रिकाय नमस्वाहा ॥ ॐ रुद्र प्रच
तु हरे लवाय नमस्वाहा ॥ ॐ महाप्रभ नागनाशाय नमस्वाहा ॥ ॐ महेंद्रपर्वत
य नमस्वाहा ॥ ॐ वर वृक्षाय स्वाहा ॥ ॐ अटलैकास्म स्वाहा ॥ ॐ कमव
ति नन्दिनाशाय स्वाहा ॥ ॐ अम्यो अमा वास्येतिथिस्वाहा ॥ ॐ सकलै स्वाहा ॥ ० ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

क व व मं

[illegible]

वस्य व

मि त त त त म द त

अथ पञ्चमः

कुटुम्बाख तु धुति स्मरु गन पुव कु य न त क थ व व ग ॥ ॥ या उ ज्ञा ता व
ल पु नि या खि स्य पु धु त क न स्य क स्मि स वा न व थ लि ग स वा न व ज्ञा नि डो व
थ व व स्या ॥ क पु त वि पी मि कु कु म डा व न या पु म म हा ग न स्य क स्मि स वा न व
लि ग स या य मि मा न ताल त म रु त ॥ ॥ क पु त वा य ल क मु ती रि य ति वि
पि ली स्य पु त र त्री उ ति न य लि ग स या य मि त्र ताल त म रु त ॥ ॥ हा ती क्रा कु सा
न प्री यं गु नि स्य क स्मि स वा न लि ग स या य जु रं का त्र मि सा थ व व स्या ॥
॥ ता ति स्वा न डा व पु स्य पु ग्रा ख लु उ पु वा नु सि या इ इ स न स्य लि
त्रि ग या व

गसयाई चति वस्या ॥ सत्रयात्रा लम थि डितीस्वान् पातक थुति लग
नस्य कसि स वात्रा वलि गसयाई मिसा वस्या ॥ या थल कुं कुम कयुत्र गुम
गोचडे न शाख लु डा वत्र पु स्म ल ग ग लु न कसि स वात्रा वलि गसयाई
व कन्या मिसा थ कथ व वस्या ॥ ल व स्वा च त क राय हा थाल म सु
केश ल कु स म मि ग्म का ड ति न स्य ड नि स थ न व थ म दा ताल त म न
॥ मिसा व ड रा ॥ २ शु शु व थु थाल वा रा २ रु स न ड ग वु ड्क वा ल
३ पु नु रा ड व रु स्य ति वा त ड्क ड ग्रा बा ड शु क वा ल ड्क श त ति व श नि शु त

मिषागार

वात छ थुति दिनहि इ। आननु थाया ॥
 १। आदिन रुसुन नु नु नागर २। साम नाग मृग शाग ३। अंग न वाग
 नेवति न रुग ४। बुद्ध वाग अनु गार ५। वसुपति पुष्य न न रुग ६। शुक्र वा
 न। अश्वि नी। त गनिष्ठ ल। लोहिनि ॥ थुति न रुग वाग नाले जुमृत सिद्धि
 थाया ॥ ७ ॥ कव आग मृग रुन प्रलय विरे विपति मृग व साधा गृक साध
 न थुति क री स। खुने का म स्वाग मा वाग ना मरा ॥ युत्र ला स वा द
 सखु नि ॥ मिषा स वने म इया ड न वने इ य के। जु व स्य वने इ यु न ॥ ० ॥
 हि न स्वा थ का म व द न श्री मि या हा पा प्र व धा ना ग वा म य के ही कु धा न म न
 धा न मा वा स

ॐ गान व कु	युर्वदिग वर	५ २
ली म रु द न	नागा ॐ रु द	५ ३ ४ ५
	वता। जु।	५ ३ ४ ५
	कृ ग म आ व	५ ३
	व्य जु	५ ३ ४ ५
ग इ	इ व रु	५ ३ ४ ५
ग रु		५ ३ ४ ५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्री गुरुः ॥

ᠪᠤᠯᠠᠭᠡᠨᠢᠵᠦ

5

五

U. K. B.

此
世
道
也

אשר יצאנו ממצרים

[illegible]

थरुमदमुद्रिनिर्वेथनयाने कुरुकुगगत मीव॥

ॐ नमो

कन्या दिक २५ न नो सि वै ना कु ३१ न यु के
कन्य य न ३३ अथ कनिना विरु क य न

125

३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

द्वितीयः ॥ ३६ ॥

इति कथं न धामासु न
यत्किं ना म ह्वयासु न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय

कुरु साया

सिधुने

सिधुने

कुरु साया

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कुं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नाव ॥ इदं कुरुते ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ज्ञान ॥ ज्ञाने लय ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 बुध ॥ बुधे नमो ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मन्त्र ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 इति ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ज्ञान ॥ ज्ञाने लय ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 बुध ॥ बुधे नमो ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मन्त्र ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यव्यलामाले वलि इडु हिले स्वथ गत्र बुय जुगुति सि मनु ऊं जु
हं कामा लिस मर वक्र इ प्र पा ला मरु रु ७ सा हा नय्या हा कु वुनि ॥ ४ ॥
१ वंता लग्र ह्यो नम ॥ २ २ ३ ४ ता १ थ प्रा न क न र वा शु दं ग न म य व त्व मु ड
ल सा नि पु वृ नी च त ल द य के कृ वृ कं फ न आ क्का द न यव्य कृ वृ स त वी ह
स्वान यं चा मृ ता म कृ मा म ऊ मा ति पु शा म ध्या न न दा र्ते श्री ह त ह ति नी ड
या त च वृ नु स्मा ल व नी कृ वृ व र्ण ॥ २ ॥ प्र व ति ग र ह्यो न म ॥ ३ ३ ला ३
सा थ वि व व भा ७ स्या य शी व न स म य पा त्रा वा त मृ ति के न नू र्प कृ र वा

सखी स कृ गु ला कं य ता आ क्का द न बु य त गु न स र्व नि र्मा च क म मृ त य
खि ग म द्वा ॥ म नु ॥ ३ न मा र ग व थ नि व ना थ नि र व म क र रु ७ रु नू २ च कं न श
य नु रू खा हा म ध्या न न द द्वा सा दि सि दा त श्री जु न थै ३ ॥ पि के वा डु व र्ण ॥
१० ॥ म र व म ति का ग र ह्यो न म ॥ ३ ७ ता ७ दि न ७ स र वा व र वा वि दं ग न त्र ला ग
प्रा ने रि खं ग ता श न क म शी व ड हि त री श य सा नि पा त्रा वा त मृ ति के न नू र्प
कृ त्रा त्र कृ ष थ आ क्का द न म न स मा स ग वी य का त्रा बु य शृ व र्ण स र्व नि मा च
क मा नू स के श शि व नि र्मा ल नू र बु य म नु ॥ ३ न मा वृ व र म श मा स का पि ह

[illegible]

श्री स्वामि मूर्ति कनक नुय कृष्ण कुसुम कयत आका दन कुसुम यताय त कृष्ण
 मङ्गलान्क वुषा कु वुषे सगति रुतन हार ड डाल हार यत्र कैस राक्षा थि हार
 तारथा लं रनु स श निम दाना नु निमान आहु ॥ १३ ॥ मुखिका गुरु ह्ये नम ॥ दि
 न ले लार ड डयात लं वं का थ सा व व ना मा ग्व र वा यु थि क राय ल व इ म्
 बलाम् थि क्रियु क क नो यु मनु ॥ गुरु वा हु ॥ ० ॥ ॥ ॥ ॥ गुरु गुरु ह्ये नम ॥
 दिन ट लार दं २० र्म्या क शिव र्म शय राग नाग नाग दा वन ॥ न व गुरु दा वन
 मूर्ति कनक नुय कृष्ण ॥ पित कय तं न नुय व पि र्म पुष्पा द वि ॥ २२ ॥ मङ्गलान्क

२० नुनीयाः पृथक् वाकानां मनुष्याः इति किं सिद्धं मयः न सि॥ ० ॥ २ कृत्ति कायाः शु
भी कुलु वाकानां ननु स इति का म सत्त्वं अदितं न त्वा ॥ ० ॥ २ प्रादिनीयाः एलि स व
दन नाग सत्त्वं मनुष्या इति सा म व न वृत्तं ॥ ० ॥ २ मृग सितयाः यत्र वाक
न देव इति नाग सत्त्वं वृष मृथुने अंग म त्वा ॥ ० ॥ २ आशयाः विवाका न म
नुष्यः इति स्त्री वा सत्त्वं मृग न वृत्तं ॥ ० ॥ पुनर्वसुयाः यत्र वाकानां देव इति म
ज्ञा ल सत्त्वं मिथुना कर्कट वृत्तं सति ॥ ० ॥ २ धर्म्याः पुनर्वसु कल सत्त्वं वाकानां देव इति
यत्र सत्त्वं कर्कट शुक्र वत् ॥ ० ॥ २ अश्लेषयाः काय वाकानां ननु स इति द

विकर्तु सत्त्वं ज्ञानि न वत् ॥ ० ॥ २ मध्याः मृग वाकानां ननु स इति मृगिक म
त्वा सत्त्वं अदितं वत् ॥ ० ॥ २ पूर्वरागुनीयाः सत्त्वं नुष्य इति कुसत्त्वं ताका वा
कानां सत्त्वं अदितं वत् ॥ ० ॥ २ उग्ररागुनीयाः ताका वाकानां मनुष्य इति
रग्न सत्त्वं मिथुना कर्कट अंग म ॥ ० ॥ २ मृगयाः किं वाकानां देव इति कुस
त्त्वं कर्कट वत् ॥ ० ॥ २ चित्रयाः कुसत्त्वं वाकानां मनुष्य इति क
र्कट अंग वृत्तं सति वत् ॥ ० ॥ २ स्वाति याः इत्र वाकानां देव इति मृगिक सत्त्वं
उग्रयाः शुक्र वत् ॥ ० ॥ २ पितृ न क स्या म ॥ ० ॥ २ विष्णवयाः इति वाकानां ननु स

जत धु सख तुथ गनिगु लपित प्रक डु ॥ ० ॥ २ पुनु ना रुया हंश वा
 गित इव शात चाल सज ख विक् अदि न क डु ॥ ० ॥ ३ रिया का र्वे च वा
 गित नाइ सशाता कु सख वि म म म त क स्या म व नु ॥ ० ॥ ४ मुल या द ना व
 गित नाइ सशाठ वि वा स ख व नु अ म त डु क स्या म व नु ॥ ० ॥ ५ पु द्या मा
 रु या वा च ति वा गित म नु रु शा ति क क लि स ख व नु वु ड डु स्या म ॥ ०
 ॥ ६ उ तु वा रु या वा च ति वा गित म नु व्वा शा त व नु म क व ड स्य ति न क सि ता ॥
 ० ॥ ७ व नु म न व न वा क व न नु यि शा ता क क लि स ख म क डु क स्या म
 डु ॥ ० ॥ ८ व न त मा वा अ त वा क न वा इ स शा त सि क स ख म क कु ल

गनी गत ॥ १२ ग त वि न या थु रा वा ग न वा इ स शा त स ड स ख वि ॥ ०
 पु व ड ड का य ति गित म नु व्वा ग त सि क स ख क म मि न अ म त ॥
 ० ॥ १३ उ तु रु ड म य ति वा गित न न व्वा शा त वा इ र शा त व नु मि न वु ड
 ॥ ० ॥ १४ व ति या च ड वा क न ड क ता क मि त्वा मि न व ड स्य ति ॥ ० ॥
 वा अ डि डि त मा मि रा वा ग न इ व शा ता ॥ ० ॥ १५ यी गी गी वा सि न
 डु ग सा य पा त्र ता म मा हा क्त ॥ १६ व न व न व न व न व न व न व न
 क स प ड म ना ग ॥ १७ व न मा वु त व न ना ग मा य कु ति नु क मा व व ड ड
 ० ॥ १८ व न व न व न व न व न व न व न

॥ इति अमुनिन्यासमाय ॥ १ ॥ ~~इति अमुनिन्यासमाय~~ पुन वा कान मनुक
जात किमि सत्वा ॥ इमद न ता मुद्रा न ह्वा सु का कुर वा रा इयु धुन युयु
~~इति अमुनिन्यासमाय~~ इति अमुनिन्यासमाय इति अमुनिन्यासमाय इति अमुनिन्यासमाय
मो मुनि नमस्तुते ॥ इति अमुनिन्यासमाय इति अमुनिन्यासमाय इति अमुनिन्यासमाय
यायु बुकि मदा क्रमा मदा इत्येको नु व वन इति अमुनि अमुनि सख व वर वन
तं इ वन अथी ह निद्र या मय को रा इ स वा यायु व र व र वी र्क याय क म
वि र्क इति व च न अम म न थ व मे व इति या इ म इ को मु क क थ म यु त

नया कार्य स महि बु त्वा पु कु क ॥ मि र्क ३ ॥ ॥ तित क था न र्वा त स मु त्र स या
म रा इ त स इ त स थु ति था य स ति त्र द यु ॥ ॥ इति अमुनिन्यासमाय इति अमुनिन्यासमाय
व ता र्क इति ॥ ॥ अमुनि न्यासमाय यायु र्वा य या इ थ स सा डा व नी इ इ चा कु थु
जित य नु व ॥ ॥ अमुनि न्यासमाय मुद्रा मुद्रा या वि प्र क र्पा क द १ ग को त यु
व खा त र्पा क ॥ द २२ इति अमुनिन्यासमाय ॥ द ३२ ॥ स ग म स र य यु या रु म ॥ द ४० ॥
क्रा त यु मु व द २७ ॥ व वा ति डी व कि ॥ ॥ थु ति मृ त्यु प्र का र स ति थु
म या त र्पा मृ त द म क र्क चै उ वा हा त यु डा या य म हा द व यु डा या य इति म

म. पु. गु. वा. फान. दय. के. वलि. वि. म. क. इ. ल. ज. ह. या. च. के. य. र. त. द. या. थ. या. च.
 के. थु. ति. न. र. ड. ई. को. म. रा. थ. क. व. व. नि. व. न. व. न. न. द. उ. व. व. वा. ल. त. त. ति. स. मृ. तु.
 दित. ॥ २ ॥ **र. तु. नी. त. क. उ. स. ना. फ. ॥** **॥ पु. नि. क. न. द. उ. या. पु. ग. नी. कुं. व. व.**
 फ. न. त. ना. क. स. ड. अ. त. त. त. ग. व. सो. म. वा. ल. स. क. त्या. न. इ. मु. व. पु. ग. त. त. ति. ति.
 द. मु. व. उ. न. मृ. तु. इ. मु. व. रु. स. ति. न. शु. कु. न. कु. ल. स. भा. त. म. ह. श्व. त. द. व. ता. अ.
 इ. स्वा. त. पु. र्व. ड. अ. ल. प्र. व. स. पु. ग. त. त. उ. उ. उ. कु. क. उ. क. र्व. ३ म. व. त. ति. या. द. १
 व. व. त. ति. या. द. २ थु. ति. व. ला. स. व. व. म. वा. ता. रु. ति. इ. मु. ड. ग. ड. पु. नि. म.

म. फा. यु. उ. उ. ल. रा. ग. द. यु. म. वा. ता. म. को. द. यु. बु. द्वि. व. न. स. त्थ. र. व. स. वा. दि.
 इ. यु. या. सा. य. को. द. यु. व. म. स. इ. यु. द. व. पु. ड. फा. यु. ना. ड. क. स. का. ल. ता. यु. व. र. व.
 ला. व. थु. ति. स. रा. व. थु. नी. व. ॥ ति. त. द. यु. क. या. ल. स. क. स. ग. गु. अ. स. र. व. त. स.
 त्रि. व. त. थु. ति. था. न. स. ति. त. द. यु. ॥ नि. व. पु. ग. नि. ति. व. व. क. गु. या. द. व. ता. पु. ड.
 या. हा. व. क. यु. नि. व. ॥ **आ. फा. त. इ. ड. व. ली. या. ड. थ. थु. ति. न. म. व. व.**
 प्रा. ग. बी. का. को. न. पु. यु. व. मा. त. म्मा. क. अ. का. ल. मृ. तु. द. १ पु. ति. सा. त. द. १० या. वि. द.
 यु. द. १२ मा. त. म्मा. क. वा. त. रु. य. न. हा. या. वि. तु. ति. म्मा. क. मा. क. द. यु. नि. वा. स्या.
 क. द. २० पु. ति. सा. त. रु. ग. वि. ड. ग. थु. ति. न. द. २२ मृ. तु. रु. य. वि. य. ति. इ. यु. थु.

निश्चयदत्तासा, कातिकमास्य, त्राहिनीलक्ष्मि, बुद्धवान् । धनुकातस्तु, मुमु
 लके, मातुडयायडा, तातुडा, ततपुडा, माय, पंचा, मृतदयक, ना, डा, मवी
 सेसा, स्वान, मत, दयक, वतिविम, थुतिन, कर्क, मा, तागानी
 समाफा ॥ ३ ॥ **॥ गतिनिर्गतमा, रुय, ना, त, मनु, कडा, ता, ग, म, त ॥**
 छासखा, ल, पु, बुद्धवान्, शुक्र, बुद्धवान्, पु, य, स, गु, व्याय, त, न, वा, त, डा, व, ता
 न, न, वा, क, से, व, व, म, ध, म, पु, मा, द, का, म, रु, यु, स्व, क्ता, म, पु, न, न, मि, वा, रि, द, या, मा, य
 क, द, यु, व, स, य, व, च, न, द, गु, न, रु, ला, द, यु, र्ध, द, म, थ, क, इ, यु, व, म, हा, त, रि, वि, धा, य, त

वत्रयः प्याखनः आनन्दः इयुः भः आयातः सः राः गः दः युः कः नातः यः फ्रैदः युः कायः
मयादः युः कोः तुकरवः द्यायुः पुतिथीः गुः तुयाकैः मानैः मीः युवः कोः यतमदः युवः वः
मैः सामः सयुवः धुतिः सरोवः ॥ भः तुवार्कितः प्रागुः इयुः ॥ ॥ आरुतः जाः इः इः
वनीः धेलः कः मिः यवः ॥ प्रागः कोः तपुः युवः रुः सवेः गयैः प्रायः प्रकः प्रायः दयुः रवातः
मनिवः अकालः मृत्युः दं ३ कोः तपुः युवः अभादः युवः दं १५ अकालः मृत्युः कथुः म्याः
कः करुः दं २० अकालः मृत्युः रवीः हितातः सः रुयः शकुरुयः धिवकातः सः युः इवयुः
दं ३० मृत्युः रुयः धुतिः रुयः रुतः सः दं ३४ कर्तुः श्रतः प्रायः कः प्रायः कुतः दं ३५ अभादः कि
वः गत्रयतः स्याकैः दं ३५ तलः प्रज्ञातः तं गः मरुः मयः नाहिवालः सिमातः काठिनः

नवाविनकाठिनीव, धृतिप्रकाश, रूयद्रुठतादं ८० माडाव, माडागाह, पुव रू
नद्रुठ, अंगुलतवाल, वाक्किन हा, मृत्यु, धयाउयाय, इरू, याप्रमात्र, वलि विमक
लम्मीदवपुडायावक, वसत दात विमक, यैवा मृत, दयक, चंद्रवा फात्र पुडाया
प्रकामानी, मावापुडायाय झाहुमयन ॥ ॥ धयातिनदमुवगत्रयतस, खात
स, कुरु, स, गुगलस, गुकस, धृतिभयस, तिदमुव ॥ ॥ धया झा झाया डावक
सुस, हितिस, झायाथलु, ५ ह, नाना वमु, फातीव ॥ ॥ कथात्रारु, मीत्रारु, कवा
तयाक, रवायादमु, वलव नरागाइयु ॥ ॥ आहार, डा, कंता, इडयव ॥ ॥ नो, रि
या, माफ ॥ ॥ मृगाहि, लन, कृ ५ या ॥ ॥ वरो वा फात, देवडात, नागसव, झास

झाहु, वलु, पंचदश, म, रुद्र, पंचताल, मृगमयनी, रगात, गुक, रुद्र, याद, २ बुद्र, रुद्र, याद
२ वृ, वं, तासियाद, २ मृ, धुन, तासि, याद, २ धृति, वं, तास, डात, इ, वं, मवा, ता, ना, नम, वा, क, थव, सा
हा, वरि, रु, ध, मी, वं, क, क, मी, वनि, डात, वन, धुती, व, यसा, त्र, काम, दमु, वारि, नी, व, ता, क, व
दया, ध, नी, व, निरवा, ता, हा, मुव, तं, रु, वं, क, इ, मु, ग्या, डा, पु, स्व, स, मु, ग्या, नि, इ, मु, दव, पु, डा, या, य
अ, मा, अ, रवी, झा, मु, वं, व, त, चित, इ, मु, कंद, व, मु, गी, मा, इ, मु, वं, लं, वं, त, स, नय, सा, क, डा, त
रि, नी, व, म, रि, था, म, स, त, व, त, य, इ, मु, पु, नु, व, इ, त, सी, नि, सा, थं, ना, मु, व, त, त, के, इ, मु, ५
कं, त, डा, मु, व, मि, त्र, मा, का, मी, स, त, व, त, य, इ, मु, धृति, स्व, रा, व ॥ ॥ क, ता, त, थं, कंद, मु, व, क
य, म, वा, द, मु, व ॥ ॥ आहार, डा, धा, नि, धा, त, क, रु, इ, इ, वा, कु, रु, या, ति, स, कं, ७ न

ना, डा, जुदिक मयव, ॥ प्राग्वतु, वात, पीत, त्रोग, जुति सात्र, काम, त्राय, ताता
 व्याधि, ककु इत, धृति, प्रागस, जुकामृत्यु, दं ७० गत्रयतस्याक, कांतयुव, दं ८७
 तिसान, सिय, इव, दं ११ र्वायारुम, समुमारुम, इदव, क्रीतवायुवरुम, दं २०१
 रुम, कत्रातन, वसमायुव, जुयवातरुम, कत्रातमा, निमित्ति, मृत्युखं ॥ ॥ दं
 ३० कांतयुमुव, मिवास्यायु, दं ४० मनंतलवले, रुतनयुतीव, रु, खं ५० व्यानद
 युव, थुति, रुम, रुटसा, दं ४४ जुकालमृत्यु, दं २१ युदगावसमृत्युखं, थुति, इ, डा
 व, सांगि, त्रकृष्ण, उग्रामारुन, दं ११, सामवालकु, मृत्युदित ॥ ॥ थुमाउयाय, मद्युन
 म्नी, इरुमाचक, जुगमयुगायाय, वंचन, द्वा, वा ० माचक, दिन, त, सला, दात, विचक

वतिविमर्कं धृतिन जुकानमृत्युतास ॥ लखसु क्लृप्तं यव तयजियाइयमनद
व मनुसमु तमकालिइयु बुधिसव तवशनीता ॥ ॥ ज्वाव कृतीव यवतम इयारथ
वनस इयारथ शान किमि वनइ थरथवकं इनीव ॥ तीवदयुव थुयार्कं गत्र
यतस कयात्रस तुतिस इस निवन ना फात स थुतिथानसा थवइसाश इअफानि
इ ॥ पादंश श लोका इयु ॥ ॥ ती मृगसि रनदुठन गुतागानी समाक ॥ ॥
ज्वाडानदुठया विवाहान सनु अडात रिचोसत्व ॥ वतिष्वरगण सादवता त्राड
दवता युर्वदवात तोमुडाइवली वइदुद्र मिथुननासि तमस नानम
वाक मुसादकायु वागीनीव मिवा ता फामुव त इवकइयु रविसमु खरीवरि

रिनीव बुद्धि वन इयु तम का त्रि इयु मेव सा य म रु व कु वित इयु व मे व व ध्या व
यु व त्या र व म यामु अ स वु य म व अ सा ग य य व र थ य य व ॥ क्रो थं त्वा य म व ॥
व च न था स म श व र व ज्ञा ह त अ मा न म रु ल वा त क स व वु मा य व स्य व क द
यु व अ हा य व थ क इ य व थ पु नु व मी सा रा व वा त क श इ ख इ यु ति थ ॥ इ
वि इ यु स व रा व थ ति ॥ तिल द य व ग ल य त स र वा न स इ त स पा ली स ग्रा हा त
स इ त गु क स थु ति आ न स तिल द य ॥ ॥ कृ ती व स म सान स आ मा व के स्वा स
की ति स आ मा थ वी र व ज्ञा व के त व स तिल इ या व के ना ग ना त स थु ति कृ ती व
आ हा त स म री तु व मे व मा रु ह त म य व रि न म द ॥ ॥ ग्रा ग व अ तु वा ल वि

त ग्रा ग अ का त मृ तु मि वा अ क या त स्या यु ड ड व व अ त स क रु द य धु ति ग्रा
ग म ड २ मा उ स्या के मि त्र पु यु दं ज स र्व रु म ड अ हा ति ड १ मि मा सौ क त स
वि त को णि ती व दं २० अ न ग्रा य दं २१ वि त डायु र वा न वा य रु व दं २६ इ त स ति
या त दं ३६ स म रु रु म दं ४० य ग्रा हि या त थु ति ह य रु ठ सा ४१ थु ति ह य म
त वे ल वे ल स इ त ग्रा ग न पु ड मा य को मा ग्रा यु डा इ रु मा य रं ग वा ल न पु डा
या य रं वा मृ त द य के म हा इ व पु डा मा व के यं व त द्वा या ० मा य सा नि क म
या दं व त्रि वि य के थु ती न सा ति यो व मा स्य पु न व स न क रु अ दी न वा त

॥ धनुः शुक्लपुनर्वसु ॥ ॐ ति आ डा त रु द्र या स मा फ ४ ॥ ७ ॥ पुनर्वसु ॥
 त्रया वै त्रैवा हा त द व द्रा त रु द्रि स त्वा दि ता त पु न द श मु द्रु त्र पु वा दि, इ वे ता
 जुा दि त द व ता वा शी त र म्ब तु पु व द्रा त रु व द्रा त्र या द ३ व द्रु द्रु या द भ मि
 धु न, त्रा सि या द ३ क द्रा त्र ना मि या द १ धु ति य ति का मे स श त इ व म वा
 ति म म स ना त म वा सी श म्बु प ति रु त द म्बु ति पु न का म्बु सा त म्बु नु १२ य
 धु ति व ति ग रि ती व म्बु वु द्री धु त्री व ति म्बु म्बु द म्बु व पु सा द का म्बु व
 स म्बु इ त व ड ति व म्बु स त्र य शि त स त्वा व ति इ द व पु श द्रा व था

X-1-261/11
 X-1-631

॥ ३ ॥ गी इ म्बु व मि त्र ता ता म्बु व वी क टि ने सा नु या य डि व मा म व वु जु ति थि व
 उ र क्ति इ म्बु म्बु फा त स वि था य न त्र य इ म्बु त्र धु ति स र वा वा ल क स इ व
 इ म्बु श द्रा म्बु व का म्बु मा वा द म्बु व वु नु इ त द श श इ या व का र्थ सि दि य
 द श श शु खि इ म्बु ना हा त स म्बु श ख च क्क शी व त्थ ति त्र म्बु द म्बु शी व
 क इ म्बु शी वी म्बु इ इ म्बु ॥ ॥ जुा त्र त्र शी इ इ व ति य त क ति थ धु ति व
 हा त नु व ॥ हा हा ॥ ॥ ति त इ म्बु व ये त स या त्रि स ग त्र य त स त्रा हा त स ॥ ॥
 क्क ती व ना ता य दि इ व धु या व क र्हा त्र न या ॥ ॥ ॥ वा तु वा र्क यि र्क व स र्व

शाय, पातस्याक, ता न व्यथा, कृष्णपत स्याक, दं १ काश स्वाश, पाक गोम
दं ३ नागन पुडा वे, पाक स्याक, दं ४ शिमा, स्वाश नन, वाचिन, कातिनिव, रु
य, दं ११ पुन वायु परव, मा न वायु परव, दं २० घालइ परव, दं ३२, इत न मुमु
जुतिसात्र, मृत्यु परव, दं ११ सति यात, दं व दारवन, थगिरु परव ता, १७
इत जुतिसा तन, मृत्यु परव । थमा डया म, दं ११, पं वर द्वा पा ०
यायक, पं वा मृत, दं ११, यंत वा फात्र पुडा, याय, म द्वा दं व पुडा याय, मृग
म, पुष्य, पुष्य, डीयु, फाम द्वायक, वति वियक, नात, कृष्ण पात्र पुडा याय
जुग मग पुडा मात्र, थगिन य कात नास, मृदु दिन, या नागक, दितिमा

१३ कृवात, रुत, गती १३ त वात, मृदु दिन, पुन व स मा स माक ॥
पुमान द्वा मा, पुष्य कते ११, वा फात, दं व द्वा त, कृष्ण त सत्व, ति ता त विस ति मृदु
प्र, वृहस्पति दं व ना, नुप मयाय मली मृदु, पुर्व द्वा त, पित व र्ही, कृष्ण व र्ही, चंद
दृष्ट, क कृ त राति, तम स, नात म वाक, इ ११ खि इ मुव, वात्र कस, इ ११ खि इ व
थ, ११ रवी इ मुव, आर्ज व इ मु, व र्ही व र्ही इ मु, इ व स क, ए कि इ मु, आ र व
स त म इ मु, या गा इ मु, नुप पा म द्वा, तम वायु, म मु, द्वा द्वा मुव, द्वा स मुव
ता मुव, वचन, जुति था, त्वा पु म व, कृ स ल्हा मु, जुमानि, म द्वा त, र्व वा इ मु
रुतिन, सीता व इ मु, जु सत्य इ मु, र्व ल्हा मु, वा डी त, रि, रागी इ मु, व, कृष्ण, क

य. जुतित्रय, क. तात. स्व. मी. द. यु. का. य. म. बा. द. यु. क. ता. त. मा. नि. मि. ति. त. कु. त.
 ल. श्री. इ. यु. मि. ता. इ. त. श. मि. श. ने. इ. थ. थ. ति. स्व. रा. व. ॥ अ. हा. ल. पा. तु. र. वा.
 यु. पा. तु. इ. इ. व. त्रि. ध. ल. म. र. न. म. य. व. वि. रा. य. न. र. तु. म. इ. यु. ॥ ति. त.
 द. यु. र. वा. त. स. ग. त. य. त. स. इ. त. स. र. ना. हा. त. स. थ. ति. थ. न. स. ति. त. द. यु. व.
 इ. ति. व. त. व. छ. न. वा. ग. म. क. व. क. अ. ग. मि. च. व. व. क. य. व. त. स. ना. ना. द.
 वै. र. व. ती. व. थ. ति. क. नी. व. ॥ थ. या. वा. तु. ग. वा. त. पि. त. इ. यु. ग. अ. ति. स.
 ल. इ. यु. क. स. य. न. स्या. क. मि. वा. श. म. क. इ. त. त. पु. पु. व. दा. त. स्या. क. मा. त. स्या. क. इ.
 यु. थ. ति. वा. त. क. स. मि. र. वा. स्या. क. दा. त. स्या. क. अ. हा. ल. मृ. त्वा. इ. १ अ. ति. सा. त. क.

नयुमु, दे१० नाना आधिप्यक गाय, दे२० धाल इमु, दे२४ डी लतया मु२२
 तिथवत्रेन, मृग्युखं, युति, रुमरुट सा, दे१०० थय काल, मृमा लकें, मातु फा
 मरुग मक, आइल आइति विमकें, ॐ बुद वता, युडा माय, दान विम, वा फुलामा
 त, सजत्थ, लंखन, माफा दव पुडा माय, यं वा मृतन र्थे तु वा हात्र पुडा माय, डी
 हात्र ति१० थ वश त्रीत, आहाव, थ वग्नु वा हात्र मात, दान विम, युति न, मृतु
 दीन, था शत्रा मक, यु बी वा रु न द्रु, वृह स्थति वा ल, मृग्युडिन, ॐ ति यु वा
 न द्रु प्रस मा फु ॥ ६ ॥ अइशु वन द्रु मा, की व वा हा न, ना द्रु श डी त, लडि
 सत्व, यं व द श मरु द्रु, सय्य म ही ल म ग, ना ग दे व ता, यु व ई वा ल, त्वमून, फा

कु. व. व. नु. इ. यु. व. लु. द. गु. क. के. त. त्रा. सि. पा. द. त. म. न. ना. त. म. वा. स्यै. शौ. य. त. इ. पा.
म. छि. व. ह. अ. ति. के. स. ति. य. न. इ. यु. त. कु. ति. कु. क. र्म. या. यु. स. जि. यु. व. श्रौ. वी. या.
के. त. व. न. स. इ. यु. व. मि. गु. द. यु. व. क. ता. त. या. ति. मि. लि. न. इ. ख. जि. यु. व. श्रौ. २. क.
जा. त. इ. यु. त्रा. रि. इ. यु. कु. वि. र्क. अ. र्क. का. ति. इ. यु. क. क. व. व. न. इ. यु. अ. स. त्थ. र. व. ह. या.
यु. व. दा. ति. इ. यु. मि. इ. न. इ. न. सी. मि. सा. थ. ना. यु. व. थ. क. इ. म. द. व. ना. इ. रु. य. भु. ति.
स. रा. व. ॥ ॥ अ. हा. त. वी. का. क. सि. व. नी. चा. कु. ना. डा. थ. य. व. ॥ ति. ल. क.
था. न. क. पा. न. स. ग. न. य. त. स. ग. यु. स. पु. ति. स. थु. ति. था. न. स. इ. यु. व. ॥ श्री. नी.

व. अ. ग्री. डा. ता. व. क. म. नी. व. त्रा. डा. वि. हि. ति. स. व. न. स. इ. या. व. के. स्य. हा. सा.
न. थु. ति. क्क. नी. व. ॥ ॥ आ. रु. वा. ल. पी. त. त्रा. य. इ. म. या. पो. त. स्या. क. द. म. क. ल. स.
या. वा. इ. यु. व. अ. ति. स. ल. अ. का. त. मृ. त्पु. दं. १२. वा. ल. म. ड. दं. ११. शु. क्क. रु. म. द. यु.
व. इ. ल. न. मृ. त्पु. र्क. दं. २५. स. र्प. रु. य. ना. ना. आ. वि. दं. ३०. सि. मा. ता. हा. ने. वा. वि. न.
का. टि. नी. व. रु. य. व. या. रु. य. डा. मु. या. मृ. त्पु. र्क. थु. ति. दं. ३२. इ. ड. व. क्क. न. वा. यु.
व. दं. ७४. अ. य. वा. ल. त्रा. डा. डा. क्क. मा. रु. य. मृ. त्पु. र्क. थु. ति. दं. म. रु. ट. सा. ६०. स्य.
या. थ. क. शु. क्क. वा. ल. मृ. त्पु. दि. न. ॥ ॥ थ. य. का. ल. रु. य. या. त. व. म. सा. ना. स. ना. ना.
व. म. र्क. वा. डा. या. त. के. सी. कि. क. र्म. या. ड. व. ति. वि. य. के. हा. म. क. र्म. या. व. के. डा.

ॐ वन्द्या गम्भिरा नायका ॥ ३

ॐ वन्द्या यनि नमस्वाहा ॥ ॐ वन्द्या यनि नमस्वाहा ॥ ॐ वन्द्या यनि नमस्वाहा ॥ ॐ वन्द्या यनि नमस्वाहा ॥
य नमस्वाहा ॥ ॐ वाग्भुक्ते नाग राजाय नमस्वाहा ॥ ॐ शुभ्य लय वर्तय न
मस्वाहा ॥ ॐ रुक्मा इति नदिय स्वाहा ॥ ॐ युति यदन वमिर्माति विस्वाहा
॥ आदि नवा लै स्वाहा ॥ पुष्पा ॥ ॐ मा हंश त्रिय नमस्वाहा ॥ ॐ रुद्र रुद्रुदाय नियनि
ममस्वाहा ॥ ॐ रुद्र वलु रै नवाय नमस्वाहा ॥ ॐ रुद्र क नाग राजाय नमस्वाहा ॥
ॐ मम प्रय वर्तय नमस्वाहा ॥ ॐ रुद्र उड्मल वृक्षाय नमस्वाहा ॥ ॐ शुभ मग्न स्व
दिता ज्ञाय नमस्वाहा ॥ ॐ इति मां दशमि स्वाहा ॥ ॐ साम वात्र स्वाहा ॥ ॐ तत्र मा

उत्तमया ॥ ॐ कर्त्तृक स्मृताय स्वाहा ॥ ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ जु ठ ठ हा स्म स्म नाय स्वाहा ॥ २
हा ॥ ॐ संखया प्रताप राजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मानन्दय वताय स्वाहा ॥ ॐ तु डा जय
तदिय स्वाहा ॥ ॐ तृतिमानुका दडि स्वाहा ॥ ॐ जं ग म नाय स्वाहा ॥ ॐ शुभ मा ॥ ॐ
विभु विमनम स्वाहा ॥ ॐ रुं ॐ विष्णु विमनम स्वाहा ॥ ॐ विलु चतु रं त नाय
नम स्वाहा ॥ ॐ कुलिक नाग राजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मकु ठ प वताय नमः स्वाहा ॥
ॐ पक ति वृद्धाय स्वाहा ॥ ॐ च त्रवति तदिय स्वाहा ॥ ॐ ल क्मी वन स्म स्वा नाय स्वाहा ॥
ॐ चतुर्थि द्वा दश्या ति थि स्वाहा ॥ ॐ बुद्ध वाल स्वाहा ॥ ॐ न जय मा ॥ ॐ रुं रुं
वा ना दिय नमः स्वाहा ॥ ॐ वा ना दिय नमः स्वाहा ॥ ॐ विजय वतु रं त नाय नमः स्वाहा ॥
इति नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

थुनिद्रा सा ज्ञा ख स रं सं ल न के थ न न मिसा त ग न थ वैया ज्ञा
पिलि रुत रुतिः यि रूः स्व वस्वः पो तै स म भा ग न वृ न या यः ज्ञा त या
वः नि ना व ग र लि यि ने नू न केः त्या उ थो न नू ने माल जू रे ॥ ॥
म ना पि पि रिः म दू न के लः गो दू दुः दं की ला य म स क्षारः प्रा यू ज्ञ
मि या यूः स्म भा ग न वृ न या ना वः सि त बा र दु दु स नि या य ज्ञो द वि
नेः मि सा या ज्ञो मि स त या व ता ये हि व ई व जू रे ॥ अ पा मा र्ग या हा
यि त क हा वृ न या ना वः त्या उ थो न नू न केः सा मि दू व रू

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

निस्यं तो न क्य दू स्वदु मा न थो ते न सि ध ॥ ॥ प्रत हल ॥ अरद ह
 जी वारः स्म भा ग न का के दा या क ॥ हि ॥ सि ध ॥ थो वा स ल न ला या व ॥
 तो न के ॥ हि प न या थ ॥ ॥

मा



उं ह नु मं त किं क त त्या हा
 का न न ल त दि था ह स न य
 श र र भु त ये ठ श ल या य
 ह ली र उ ड ३ ह ली ४॥



सविश्व" अक्षरान्

१ लल सनच विविः कि विला मूने हल इव न पू आ सा
न क स लि न सा ज या ला य के श ल ॥ ॐ ॥

१ चउ त्रि, व्यत्र, स्थात्र यो दा नलि स्या रुउ थ स्या लग वा न या इ त
२ सिउ स्या थ यो ला ग्वा पत रु द्या सौ सि वा स, कर रु ख, शि डि ना ज वा य

प्रव पदिसः दसि नउ दः कि नम दार्दुवी चानकी लावी चपन थ व्याग
दाउ या द्रु प्रनी ला पनम दल मारु न सफा नी द वना काना उली नाथ
व्याता को सुन प्रत दाया नी वा कला के दू दू काना काउ पूरु मन का प्र
मन स सुद्र वगम या क्का दू उ ~~म~~ देवी दू उ शली को नाउ पूका
इ पथ रस रीर का ज साय वना उ वगन्या मग हो ।



मनस्क वा ॥ १ ॥ ज्ञेय क ० ॥ २ ॥ य ० ॥

ॐ सा वृत्ता श्रुतिरुत्था वृत्ता वृत्ता ययला अ ॥ गुरु ॥ ॐ
ॐ च क ० दूया क ० खल दूया अ वाय जि अ द न क य दा वृत्त गय द
म स्या द मि स न य क ० य ० ज्ञेय क चि ना स रु वा ॥ गुरु ॥ ॐ ॥ १ ॥ नि व
सि क च लि या हि नू क ० सि मा स कि सा क सि स्त गव य धू या द
द क य आ रु दू दू ख य ल क चि सा जि अ म द गु लि स जि अ श
ला ॥ गुरु ॥ ॐ ॥ २ ॥ हा थ ख ला य गुरु शु भू क क ल सि व सा स

मनस्क वा ॥ २ ॥ ज्ञेय क ० ॥ ३ ॥ य ० ॥

सा य द वा य ख य ल क न वि यो ल ला गा दा या य स्य क चि स म ला
ग न चि क य ल स लि ल सा अ या ल ग न म द ल या क न ना स ॥ ॐ
॥ १ ॥ अ द रु ल का दा य वा क य जि अ न्या क य जि अ थ क य जि अ सा
सा सा दा य जि अ सा क सि क य जि अ आ द स ना ल दिय चि न का
दा य ना य का य ल सो सा था स दू दू या य दि ली ल दू स
न स ह अ र ला ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॥ १ ॥ ख द द व दा न य य ग स ल वि म स्य
अ ना ना क द व सा जि अ ॥ २ ॥ क य जि अ

१ छात्र नक्षत्राय नमः ॥ ७ ॥ २ दूदूया ॥ मालनः पियिल ॥ ८ ॥ ३ लिया ॥ मालनः ॥ का
४ धलया ॥ मालनः यादू न ॥ सा खलन ॥ ९ ॥ ५ चया ॥ मालनः चि ॥ १० ॥ ६ लाया
७ मालनः धलि नि ॥ दाया ॥ मालनः यादू ॥ ११ ॥ ८ चाकूया ॥ मालनः मलचन
९ यादूया ॥ मालनः चाकू ॥ १२ ॥ १० खायूया ॥ मालनः शुधि ॥ ११ ॥ ११ यात्रूया ॥ माय
नः चि ॥ १० ॥ १२ काकूया ॥ मालनः सधूचि ॥ ११ ॥ १३ चलय ॥ मालनः खायू ॥ १२
१४ कसिया ॥ मालनः वलचि ॥ १३ ॥ १५ कसिया ॥ वालसिया ॥ मालनः जिल

चि ॥ १४ ॥ १६ लखया ॥ मालनः हलत चिदा ॥ १५ ॥ १७ धया ॥ मालनः दूधु नान
लयादा ॥ १६ ॥ १८ यतया ॥ मालनः लायू रु नसि ॥ १७ ॥ १९ दादू गुहालयदा
निस नान ॥ १८ ॥ २० धलः धलिया ॥ उयलन ॥ काखल खनान ॥ १९ ॥ २१ वक
नः रुकन ॥ झाकन ॥ सकि ॥ हलुनि ॥ माय ॥ उयलनल ॥ चिदू दाव ॥ थजा
मि नान क ॥ २० ॥ २२ य ॥ माय ॥ दूदू ॥ उयलनाल ॥ शुधि ॥ डा ॥ चाकू नका ॥
२० ॥ २३ दान ॥ मिया ॥ अदि कनल ॥ यात्रू नका ॥ २१ ॥ २४ काकूदू ॥ उयलना

ल, पुयिउ, चाकून का॥२२॥ २२ नउ यल नल, हलउ वनिउ न के॥
 २३॥ २३ क धू स, सिउ ला, था क या, यालूनि ना न के॥ २४॥ २४ म रलिन, ह
 वनि क या, सो न के॥ २५॥ २५ लू र न अ व या, क विनि ह, झा हू क, मिस
 हू या व, लं ख स थू का रा, धू, लं ख ना न के॥ २६॥ २६ ॥ २७ ॥ २७ ॥

२७ ॥ २७ ॥ २७ ॥ २७ ॥ २७ ॥ २७ ॥ २७ ॥ २७ ॥ २७ ॥ २७ ॥
 नि, घू टं मू दा ज यि व नि मा न वं हि नि दि न, मा क र म स मा क र म व न

२८ ॥ २८ ॥ २८ ॥ २८ ॥ २८ ॥ २८ ॥ २८ ॥ २८ ॥ २८ ॥ २८ ॥
 ज न ख ना, उ ना नी धू यि ना यं आ सि धू वि क नि ग ह य, दू र ग ना च दा
 ग वं जा ना न व स य न, स ग मा वि ज स व न य रा ज क न य च ॥ २९ ॥

२९ ॥ २९ ॥ २९ ॥ २९ ॥ २९ ॥ २९ ॥ २९ ॥ २९ ॥ २९ ॥ २९ ॥
 थू नि रा ज दी या उा, खा, दू लं ख स न या उा, ना न क, श्व द्य ना न क, कि नि ला
 ग ना सा, वा ल ख या जि उा, जि थि, न उा भि क या जि उा, हा ला वा ॥ ३० ॥